एनसीसी, बसावा व सिस इलेवन अगले दौर में

हमारे संवाददाता देहरादून

तीसरा अखिल भारतीय एसपी सिन्हा मेमोरियल अंडर-13 क्रिकेट टूर्नामेंट में शुक्रवार को तीन मैच खेले गए। जिसमें नेशनल क्रिकेट क्लब, बसावा क्रिकेट एकेडमी और सिस इलेवन ने जीत दर्ज कर अगले दौर में प्रवेश किया।

शुक्रवार को आईपीएस स्कूल ग्राउंड में हुए टूर्नामेंट के पहले मैच में नेशनल क्रिकेट क्लब और बुलंदशहर के बीच भिड़ंत हुई। जिसमें एनसीसी ने टॉस जीतकर पहले खेलने का निर्णय लिया। एनसीसी ने निर्धारित बीस ओवरों 129 रन बनाए। टीम से प्रशांत ने 26 व चेतन ने 21 रन का योगदान दिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी बीबी प्रेस एकेडमी 65 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। एनएसएस के गौरव को मैन ऑफ द मैच के खिताब से नवाजा गया।

टूर्नामेंट के दूसरे मैच में बसावा क्रिकेट एकेडमी और हल्द्वानी क्रिकेट एकेडमी के मध्य मुकाबला हुआ। जिसमें बसावा ने पहले खेलते हुए 119 रनों का लक्ष्य विपक्षी टीम के सामने रखा। टीम से प्रभात मेहरा ने सबसे ज्यादा 33 रन बनाए। लक्ष्य को पाने उतरी हल्द्वानी क्रिकेट एकेडमी के खिलाड़ी 92 रन पर सिमट गई। प्रभात मैन ऑफ द मैच रहे। तीसरे मैच में सिस इलेवन ने दून की आरपीसीए को हराया। आरपीसीए ने टॉस जीतकर पहले खेला और चार विकेट के नुकसान पर 101 रन जोड़े। उत्कर्ष ने सबसे ज्यादा 40 रन बनाए। सिस इलेवन के खिलाड़ियों ने बेहतरीन खेलते हुए 11 ओवर में लक्ष्य को प्राप्त कर लिया। प्रवि रंजन मैन ऑफ द मैच रहे।

- गौरव, प्रवि रंजन व प्रभात रहे मैन ऑफ द मैच
- तीसरा अखिल भारतीय एसपी सिन्हा मेमोरियल अंडर-13 क्रिकेट टूर्नामेंट

नन्हे आर्यन ने जीता सबका दिल

देहरादून। हल्द्वानी क्रिकेट एकेडमी का नन्हा, लेकिन खतरनाक खिलाड़ी आर्यन जुयाल ने अपनी पारी से सभी दर्शकों का मन छू लिया। आठ वर्षीय इस खिलाड़ी ने शानदार शॉट मारकर विपक्षी टीम को अपने खतरनाक इरादे जता दिए। आर्यन ने टीम के लिए 20 रन बनाए। हालांकि उनकी पारी भी टीम को जिता नहीं पाई। ब्रायन लारा को अपना आदर्श मानने वाला आर्यन एक बार उनसे मिलकर क्रिकेट के टिप्स लेना चाहता है। वह कहता है क्रिकेट के इस कुंभ में अपनो को साबित करना बहुत मुश्किल काम है, लेकिन उन्हें अपनी मेहनत पर पूरा भरोसा है। उनके साथ आए उनके पिता डॉ जुयाल बताते हैं आर्यन ने चार वर्ष की उम्र में ही बल्ला पकड़ लिया था। इस समय वह कई शहरों में खेलकर अपने हुनर का लोहा मनवा चुका है। उसे अगर सही मार्गदर्शन मिले तो वह भविष्य में भारत का स्टार खिलाड़ी बन सकता है।